

मेटावर्स - एक आभासी वास्तविकता

यह एडिटरियल 11/02/2022 को 'लाइवमटि' में प्रकाशित "Why Metaverse may Supersede the Internet" लेख पर आधारित है। इसमें 'मेटावर्स' के संबंध में चर्चा की गई है, जिसे इंटरनेट के नए संस्करण के रूप में देखा जा रहा है।

संदर्भ

मेटावर्स (Metaverse) आभासी वास्तविकता (Virtual Reality), संवर्द्धित वास्तविकता (Augmented Reality) और वीडियो सहित कई प्रौद्योगिकियों का संयोजन है जहाँ उपयोगकर्ता एक डिजिटल ब्रह्मांड के भीतर रहते हैं। यह अवधारणा धीरे-धीरे अत्यधिक महत्त्व प्राप्त कर रही है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कई दृष्टिगत कंपनियों ने पहले ही इस प्रक्रिया में प्रगति को गति प्रदान कर दी है जिनमें **फेसबुक** और **एपिक** सबसे आगे चल रहे हैं। **मेटावर्स** किसी एक कंपनी या कुछ कंपनियों द्वारा निर्मित नहीं होने जा रहा है, बल्कि दुनिया भर के लाखों क्रिएटर्स के माध्यम से यह आकार लेगा। वास्तव में जैसा कि मार्क जुकरबर्ग कहते हैं, भारत मेटावर्स का एक बड़ा हसिसेदार बनने जा रहा है क्योंकि भारत के **ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र** (जो मेटावर्स के महत्त्वपूर्ण घटकों में से एक है) ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत अधिक वृद्धि देखी गई है।

मेटावर्स क्या है?

- मेटावर्स कोई नया विचार नहीं है; **'साइंस फिक्शन' लेखक नील स्टीफेंसन** ने वर्ष 1992 में इस शब्द को गढ़ा था और यह अवधारणा वीडियो गेम कंपनियों के बीच आम है।
- मेटावर्स सामाजिक संपर्क पर केंद्रित इंटरनेट का अगला संस्करण है।
 - इसे एक 'सिम्युलेटेड' डिजिटल वातावरण (Simulated Digital Environment) के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो वास्तविक दुनिया की नकल करते हुए समृद्ध उपयोगकर्ता संपर्क वाले स्थान के सृजन के लिये सोशल मीडिया से प्राप्त अवधारणाओं के साथ-साथ **संवर्द्धित वास्तविकता (AR)**, **आभासी वास्तविकता (VR)** और **ब्लॉकचैन तकनीकी** का उपयोग करता है।
- इसे लगातार विकसित होते पहलुओं वाली एक 3D आभासी दुनिया के रूप में समझा जा सकता है, जिसे इसके निवासियों द्वारा सामूहिक रूप से साझा किया जाता है; यह रियल-टाइम घटनाओं और ऑनलाइन अवसंरचना से युक्त एक आभासी दुनिया है।
- संदिग्धता:** यह वास्तविक दुनिया में होने वाली हर घटना को समाहित करता है और वास्तविक समय की घटनाओं और अद्यतित जानकारी को आगे ले जाता है। मेटावर्स में उपयोगकर्ता एक सीमावर्ती आभासी दुनिया में मौजूद रहता है।

मेटावर्स क्या अवसर प्रदान करता है?

- आभासी समुदाय, गतिविधियाँ, घटनाएँ सभी एक से अधिक ऐप्स में **साइन-इन** करने की आवश्यकता के बिना सहज रूप से सुलभ होंगे।
- उपयोगकर्ता केंद्रित दृष्टिकोण के लिये, मेटावर्स का एक प्रमुख पहलू जो इसके पक्ष में काम करेगा वह है बिना वसिगतियों के एक चरण से दूसरे चरण में सहज संक्रमण।
 - कोई व्यक्ति अपने वर्चुअल ऑफिस में स्वयं के वर्चुअल रूप में साइन-इन कर सकता है, क्लाइंट से मिल सकता है, छुट्टी मनाने जा सकता है या कोई खेल खेल सकता है और वह यह सब एक ही स्थान पर कर सकता है।
- जब कोविड-19 महामारी हमें काम के लिये हमारे घरों तक सीमाति कर रही है, मेटावर्स इसे दूसरे स्तर पर ले जाता है। यह दुनिया भर में अपने दोस्तों, परिवार, सहकर्मियों के साथ सहज **'क्रॉस-प्लेटफॉर्म इंटरैक्शन'** की सुविधा प्रदान करता है।
- गेमिंग उद्योग तक में 'क्रॉस-प्लेटफॉर्म इंटरैक्शन' अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में ही है। मेटावर्स के साथ 'क्रॉस-प्लेटफॉर्म इंटरैक्शन' दुनिया भर में निर्बाध वर्चुअल इंटरैक्शन के लिये एक मानक बन जाएगा। इसकी सफलता से पते और पनि कोड अनविार्य नहीं रहेंगे।
- मेटावर्स के साथ वर्चुअल मार्केटप्लेस अब एक गंभीर व्यावसायिक मामला बन जाएगा।
 - ब्रांड अपने वजिज्ञापन के तरीके को बदल देंगे जो वर्तमान में देखे जाने वाले अतिक्रमणकारी **पॉप-अप्स** और वजिज्ञापनों के बजाय एक यादगार अनुभव होगा।

संबद्ध चुनौतियाँ

- कई महिलाओं ने उत्पीड़न की घटनाओं की सूचना दी है, जसमें एक 'बीटा टेस्टर' महिला भी शामिल है जसिं कसिी अजनबी द्वारा आभासी रूप से यौन तरीके से छूआ गया। गैंगरेप की भी घटना सामने आई है।
- इससे गोपनीयता जैसे पुराने मुद्दे पर नए तरीके से वचिार की आवश्यकता पड़ेगी, जबकयिह भी प्रबंधति करना होगा ककौन कसिके साथ क्या व्यवहार करता है।
 - ये मेटावर्स के शुरुआती दिन हैं। यद सुरुक्षा को इसके डज़ाइन में अभी ही नहिंति नहीं कथिा गया तो आगे इसे सुरक्षति करना अत्यंत कठनि हो जाएगा।
- दुनयिा भर के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक वैज्ञानिक **दोहरी वास्तवकिता (Dual Reality)** के मनोवैज्ञानिक प्रभावों को लेकर भी चतिंति हैं।
 - वे आभासी दुनयिा की ओर आगे बढ़ने के साथ अभी ही भावनात्मक गुणक (emotional quotient- EQ) की हानि, व्यक्ततिव के नुकसान और हमारी संवेदनाओं के कमज़ोर हो जाने का अनुमान कर रहे हैं।

आगे की राह

- **चतिंतिाओं को दूर करना:** तकनीकी बाधाएँ तो हमेशा होती हैं, लेकिन गोपनीयता संबंधी चतिंतिाओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। एक और चतिंतिा आभासी दुनयिा में मुद्रा की अवधारणा है। इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखने की ज़रूरत है।
 - मेटावर्स में सरकार की भागीदारी भी एक महत्त्वपूर्ण पहलू है क्योकयिह मेटावर्स की पूरी गतशीलता को बदल सकता है, चूँकि करपिटोकर्सिी इसकी प्रेरक शक्तियों में से एक है।
- **प्रौद्योगिकियों को अपग्रेड करना:** मेटावर्स को इंटरनेट 2.0 के रूप में देखा जा रहा है और इसकी ओर सुचारू रूप से आगे बढ़ने के लयि नई तकनीकी अवसंरचना के नरिमाण एवं प्रोटोकॉल लिखिे जाने की आवश्यकता है। फाइल-शेयरिंग प्रोटोकॉल के रूप में आज के इंटरनेट को मेटावर्स के लयि पुनरकलपति करने की आवश्यकता होगी।
- **मेटावर्स को एकीकृत करना:** यद फेसबुक और अन्य बड़ी इंटरनेट कंपनयिाँ अपने स्वयं के मेटावर्स का नरिमाण करती हैं और इन क्षेत्रों तक पहुँच के लयि अपने स्वयं के स्वामतिव वाले हार्डवेयर की बकिरी करती हैं तो इसके परिणामस्वरूप अलग-अलग दुनयिा के समूह बन सकते हैं, जसिसे डजिटिल नागरिकों को इस चयन के लयि वविश होना पड़ेगा कयिे अपना अधकिंश समय कहाँ बतिंतिाते हैं।
 - दूसरी ओर मेटावर्स में घनषिठ रूप से परस्पर संबद्ध दुनयिा का एक समूह शामिल हो सकता है, जनिमें से कुछ पूरी तरह से अपने उपयोगकर्त्ताओं द्वारा नरिंतिरति होते हैं।
 - यह एक ऐसा स्थान होगा जहाँ लोग अपने व्यक्तगित डेटा, डजिटिल गुड्स और पसंदीदा सेवाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय अपने साथ ले जा सकते हैं।
- **मेटावर्स में सुरक्षा सुनिश्चति करना:** अग्नशामक जैसी सुरक्षा सुविधाओं को ढूँढना आसान बनाकर और व्यवहार की नगिरानी के लयि स्वयंसेवकों को तैनात कर मेटावर्स को और अधकि सुरक्षति बनाया जाना चाहयि।
 - संभावति आपराधिक व्यवहार के बारे में आगंतुकों को शकिषति करने से भी उत्पीड़न को कम करने में मदद मलिगी।
 - चूँकि पुलिस पहले से ही सोशल-मीडयिा मामलों और ऑफलाइन दुनयिा के मामलों के कार्य-बोझ में दबी हुई है, तकनीकी फर्मों को समय रहते मेटावर्स में उत्पीड़न को संबोधति करने हेतु अधकि कारगर समाधानों का प्रयास करना चाहयि।
 - आभासी वास्तवकिता की वकिास प्रक्रयिा में महिलाओं की कमी नशिचति रूप से सहयोगी नहीं है और इस समस्या को दूर करने की आवश्यकता है।
- **मेटावर्स में भारत की भूमकिा:** सॉफ्टवेयर एवं सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के उत्पादन एवं नरियात में भारत की दक्षता देश को मेटावर्स की आने वाली दुनयिा में एक अनूठा लाभ प्रदान करेगी, जहाँ हमारा डजिटिल व्यक्ततिव भी हमारे भौतिक व्यक्ततिव की ही तरह महत्त्वपूर्ण होगा।
 - इस प्रकार **डजिटिल इंडयिा** और इसके अंतरगत आने वाले घटक (जैसे **आधार, डजिटिल स्वास्थ्य आईडी और डजिटिल भुगतान प्रणाली**) उस आरंभिक अवसंरचना का नरिमाण करते हैं जो डजिटिल अर्थव्यवस्था और मेटावर्स की ओर आगे बढ़ने के लयि आवश्यक है।

अभ्यास प्रश्न: मेटावर्स की आभासी दुनयिा में प्रवेश से प्राप्त अवसरों की चर्चा कीजयि और मेटावर्स से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालयि।